



DR. NAVIN KHANNA

Dr. Navin Khanna is currently an Arturo Falaschi Emeritus Scientist and a Group Leader in the Molecular Medicine Division at the International Centre for Genetic Engineering and Biotechnology (ICGEB), New Delhi. It is an intergovernmental autonomous organization that plays a key role in Biotechnology worldwide.

2. Born on 1st April, 1956, a university topper, Dr. Khanna received his B.Sc. and M.Sc. degrees from the University of Lucknow. He holds a Doctoral Degree from the All India Institute of Medical Sciences, New Delhi. He is a recipient of the prestigious Fellowship of the Alberta Heritage Foundation for Medical Research, Canada. He worked as a Post-Graduate Research Biologist at the Centre for Molecular Genetics, University of California, San Diego, and later as a Research Assistant Professor at the University of California Irvine, USA.

3. For over 25 years, Dr. Khanna, as the head of the Recombinant Gene Products laboratory, has contributed to genetically engineered bio-molecules of medical use at ICGEB, New Delhi. His innovative efforts in the area of in-vitro diagnostics have made a significant impact on the public health in India and many developing countries. To date, many Indian manufacturers have produced several diagnostic kits from the technology provided by his research team. These affordable and high performing kits are in the true spirit of "Made-in-India" and are also exported to several countries.

4. Dr. Khanna's Dengue Day-1 test, made in collaboration with J. Mitra & Co., can detect dengue infection in 15 minutes from day 1 of fever, at an affordable cost. It has captured the dominant market share and is also being exported to other countries. His team has also provided affordable technology for the production of Hepatitis B Vaccine and r-human insulin. His research efforts on the development of the world's first botanical drug against dengue are being carried forward in collaboration with Sun Pharma. His team has also designed a novel innovative and safe dengue vaccine candidate that received recognition and support from the Indo-US Vaccine Action Program, Wellcome Trust, UK, National Biopharma Mission-BIRAC, and Sun Pharma.

5. Dr. Khanna is Fellow of National Academy of Sciences (2015), Fellow of Indian Academy of Sciences (2016), and Indian National Science Academy (2017). He has been honoured with VASVIK Industrial Research Award in Biological Science and Technology (2007); Biotech Commercialization Award by Department of Biotechnology, Government of India (2011); Ranbaxy Research Award in Pharmaceutical Sciences, by Ranbaxy Science Foundation (2012); Om Prakash Bhasin Foundation Award in Biotechnology (2013); Organization of Pharmaceutical Producers of India, Scientist Award (2015); Anjani Mashelkar Inclusive Innovation Award (2017). Dr. Khanna is an Adjunct Professor, School of Medicine University of Emory, Atlanta, GA, USA; Adjunct Faculty, Translational Health Sciences and Technology Institute, National Capital Region, Delhi; Adjunct Professor, Institute of Advanced Virology, Trivandrum, Kerala. He is also an advisor of scientific committees of several national laboratories and Taskforce members of several committees.





डॉ. नवीन खन्ना

डॉ. नवीन खन्ना वर्तमान में अर्ट्यूरो फलास्ची एमेरिटस वैज्ञानिक हैं और इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी (आईसीजीईबी), नई दिल्ली के मॉलीक्यूलर मेडिसिन डिवीजन में ग्रुप लीडर हैं। यह विश्वभर में बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला एक अंतरसरकारी स्वायत्त संगठन है।

2. डॉ. खन्ना का जन्म 1 अप्रैल, 1956 को हुआ था। वह विश्वविद्यालय टॉपर रहे और उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से बी. एससी और एम.एससी की उपाधियां प्राप्त कीं। उन्होंने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली से डॉक्टरल की उपाधि प्राप्त की। डॉ. खन्ना ने अल्बर्ट हैरिटेज फाउंडेशन फॉर मेडिकल रिसर्च, कनाडा की प्रतिष्ठित अध्येतावृत्ति हासिल की है। उन्होंने सेंटर फॉर मॉलीक्यूलर जेनेटिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलीफोर्निया, सेन डिएगो में पोस्ट ग्रेज्युएट रिसर्च बॉयोलॉजिस्ट के रूप में तथा बाद में यूनिवर्सिटी ऑफ कैलीफोर्निया इरविन, यूएसए में रिसर्च असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर कार्य किया।

3. 25 वर्षों से अधिक समय से डॉ. खन्ना ने रिकम्बिनेंट जीन प्रोडक्ट्स लेबोरेट्री के अध्यक्ष के रूप में आईसीजीईबी, नई दिल्ली में जेनेटिकली इंजीनियर्ड बायो–मॉलीक्यूलर ऑफ मेडिकल यूज में योगदान दिया है। इन–विट्रो डायग्नोस्टिक्स के क्षेत्र में उनके नवाचारी प्रयासों ने भारत और बहुत–से विकासशील देशों में जन–स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। आज बहुत–से भारतीय विनिर्माताओं ने उनकी अनुसंधान टीम द्वारा प्रदान की गई प्रौद्योगिकी से विभिन्न डायग्नोस्टिक किट बनाई हैं। ये किफायती और बेहतर परिणाम वाली किट सही मायने में "मेड इन इंडिया" भावना के अनुरूप हैं और कई देशों को इनका निर्यात भी किया जाता है।

4. डॉ. खन्ना के डेंगू डे–1 टेस्ट को जे. मित्रा एंड कं. के सहयोग से बनाया गया है जो कम कीमत पर एक दिन के बुखार में 15 मिनट के दौरान डेंगू संक्रमण का पता लगा सकता है। यह बाजार के काफी बड़े हिस्से पर छा गया है और इसका निर्यात अन्य देशों को भी किया जा रहा है। उनकी टीम ने हैपेटाइटिस बी टीका और आर–ह्यूमन इंस्यूलिन बनाने के लिए किफायती प्रौद्योगिकी भी प्रदान की है। डेंगू के खिलाफ विश्व की पहली वानस्पतिक औषधि बनाने के उनके शोध प्रयासों को सन फार्मा के सहयोग से आगे बढ़ाया जा रहा है। उनकी टीम ने एक अभिनव और सुरक्षित डेंगू वैक्सीन कैंडीडेट भी तैयार किया है जिसे इंडो–यूएस वैक्सीन एक्शन प्रोग्राम, वेल्कम ट्रस्ट, यूके, नेशनल बायोफार्मा मिशन – बीआईआरएसी और सन फार्मा से मान्यता और सहयोग प्राप्त हुआ है।

5. डॉ. खन्ना राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (2015), भारतीय विज्ञान अकादमी (2016) और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (2017) के अध्येता हैं। उन्हें बायोटेक्नोलॉजी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में वीएएसवीआईके इंडस्ट्रीयल अनुसंधान पुरस्कार (2007); बायोटेक्नोलॉजी विभाग, भारत सरकार द्वारा बायोटेक कमर्शियलाइजेशन पुरस्कार (2011); रेनबेक्सी साइंस फाउंडेशन द्वारा फार्मास्यूटिकल साइंसेज में रेनबेक्सी रिसर्च पुरस्कार (2012); बायोटेक्नोटलॉजी में ओम प्रकाश भसीन फाउंडेशन पुरस्कार (2013); ऑर्गनाइजेशन ऑफ फार्मास्यूटिकल प्रोड्यूसर्स ऑफ इंडिया, वैज्ञानिक पुरस्कार (2015); अंजनी माशेल्कर इंक्ल्यूसिव इनोवेशन पुरस्कार (2017) से सम्मानित किया गया है। डॉ. खन्ना स्कूल ऑफ मेडिसिन यूनिवर्सिटी ऑफ इमोरी, अटलांटा, जीए, यूएसए में ऐडजंक्ट प्रोफेसर; ट्रांस्लेशन हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली में ऐडजंक्ट फैकल्टी; इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड वाइरॉलजी, त्रिवेंद्रम, केरल में ऐडजंक्ट प्रोफेसर हैं। आप विभिन्न राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं की वैज्ञानिक समितियों के सलाहकार और विभिन्न समितियों के कार्यदल के सदस्य भी हैं।